UG Semester - II (2024-2028)

Paper - MJC

Topic - Misra Ka Rajnitik Itihas

Question - प्राचीन मिस्र के राजनीतिक इतिहास का वर्णन करें ।

मिस्र के इतिहास का प्रथम काल 'प्राचीन राज्य युग' के नाम से जाना जाता है जिसे पिरामिड युग के नाम से भी इतिहासकार पुकारते हैं । प्रागैतिहासिक युग में मिस्र अनेक छोटे - छोटे नगर राज्यों में विभक्त था, जिन्हें 'नोम' कहते थे । धीरे - धीरे साम्राज्यवादी लिप्सा ने छोटे - छोटे राज्यों का अस्तित्व समाप्त कर दिया । 3400 ~~ई०पू~~ BCE के आस-पास तक मिस्र में मात्र दो राज्य रह गये - उत्तरी मिस्र के राज्य और दक्षिणी मिस्र का राज्य ।

दक्षिण मिस्र के राज्य को नील की घाटी का राज्य भी कहा जाता था । इसी प्रकार उत्तरी मिस्र के राज्य को नील के मुहाने का राज्य कहा जाता था । उत्तरी मिस्र की राजधानी 'बुटो' नामक नगर थी । ऐसा माना जाता है कि उत्तरी मिस्र की रक्षा 'नाग देवी' करती थी । इस देवी का खास रंग लाल था । इसलिए उत्तरी मिस्र के शासक लाल रंग का मुकुट पहनते थे ।

पेपिरस का गुच्छा और मधुमक्खी 'राजचिन्ह' माने जाते थे । शासकों के राज्य प्रसाद को 'पे' कहा जाता था और राज्य का कोषागार - 'लाल भवन' कहा

चतुर्थ राजवंश का एक अन्य प्रसिद्ध राजा खफ्रे था। उसके शासन काल मे मिस्र की सांस्कृतिक का कलात्मक और धार्मिक पक्ष विकसित हुआ। उसने खुफू के पिरामिड के निकट छोटा किंतु आकर्षक एवं भव्य पिरामिड का निर्माण किया। उसने विशाल स्फिंक्स का भी निर्माण किया। इसकी लम्बाई 150 फीट, ऊं० 50 फीट और इसका मुख 10 फीट लम्बा-चौड़ा है। एक विशाल मूर्ति थी जिसका शरीर सिंह का और सिर मनुष्य का था। यह खफ्रे की बहादुरी और शक्ति का परिचय देता है। वह हेलियोपोलिस के सूर्य देव रे का भक्त था। इस कारण मिस्र की राजनीति और समाज मे सूर्यदेव की प्रतिष्ठा और महत्व मे वृद्धि खफ्रे और खुफू ने निर्माण कार्य मे देश का प्रचुर धन व्यय किया। जिससे देश की आर्थिक स्थिति कुछ हद तक बिगड़ चली।

इस राजवंश का एक प्रसिद्ध शासक मेंकुरे था। उसने भी पिरामिड का निर्माण किया। उसने ईंटो का मंदिर बनाने का प्रयास किया। इसी बीच उसका निधन हो गया। उसके उत्तराधिकारियों में हमें केवल शेप्सेसकाफ के संबंध मे जानकारी प्राप्त है। अपने राज्यारोहण के शीघ्र बाद ही उसने पिरामिड निर्माण के लिए स्थल का चुनाव किया किंतु वह विशाल पिरामिड न बन सका। उसके उत्तराधिकारियो

के बारे मे कोई जानकारी नहीं है। 2750 BCई मे चतुर्थ राजवंश का अंत हो गया और हेलियोपोलिस के पुजारी अपने प्रमुख के अन्तर्गत पंचम राजवंश की स्थापना करने मे सफल हो गए।

पंचम राजवंश – मिस्र के पंचम राजवंश का संस्थापक यूसरकाफ था। उसने प्रांत पतियो की सहायता से चतुर्थ राजवंश के शासक को हटाकर गद्दी प्राप्त की थी। शासन तथा स्थानीय शासन पर उसका कोई नियंत्रण नहीं था। इस वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली फराओ साहूरे था। जो यूसरकाफ का पुत्र था। उसने सर्वप्रथम सैन्य संगठन किया। पिरामिड युग का यह पहला शासक था जिसने शक्ति में वृद्धि करने का प्रयास किया। उसने फोनेशिया और पुंट पर आक्रमण करने के लिए अपनी नौ सेना भेज दी। पुंट पर अधिकार हो जाने पर मिस्र मे मेंगोद, किशमिश, सोना – चाँदी, इमारती लकड़ियो का आयात होने लगा। साहूरे के चार उत्तराधिकारी हुए जिन्होने पंचम राजवंश की राजनीति की मर्यादा को अक्षुण्ण रखा। इस वंश का एक शासक संभवतः इसेसी था। उसने पादरी हमामत में कीमती पत्थरों की खान को खोदने का काम शुरु किया। इस वंश का अंतिम शासक यूनिस